प्रेस विज्ञप्ति

वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात 8.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

प्रशीतित श्रिम्प निर्यात की प्रमुख मद है

संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान और मध्य पूर्व प्रमुख आयातक हैं

कोच्चि, 26 मई: भारी बाधाओं के बावजूद भारत ने 2022-23 के दौरान 63,969.14 करोड़ रुपये (8.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के 17,35,286 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य का निर्यात किया, जो मात्रा और मूल्य (यूएसडी और रुपये दोनों) के लिहाज से अब तक का सर्वाधिक निर्यात है।

मात्रा, मूल्य के मामले में प्रशीतित श्रिम्प प्रमुख निर्यात मद बने रहे, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन भारत के समुद्री खाद्य के प्रमुख आयातक बन गए।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, मात्रा के संदर्भ में निर्यात में 26.73%, रुपये के संदर्भ में 11.08%, यूएसडी के संदर्भ में 4.31% की वृद्धि हुई। 2021-22 में, भारत ने 57,586.48 करोड़ रुपये (7,759.58 मिलियन अमरीकी डालर) मूल्य के 13,69,264 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य का निर्यात किया।

श्री डी वी स्वामी भा प्र से, अध्यक्ष, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अपने प्रमुख निर्यात बाजारों में कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद भारत 17,35,286 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य की मात्रा के साथ 8.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सर्वकालिक उच्च निर्यात करने में सफल रहा।

फ्रोजन श्रिम्प, जिसने 43,135.58 करोड़ रुपये (5481.63 मिलियन अमरीकी डालर) कमाए, समुद्री खाद्य निर्यात की टोकरी में सबसे महत्वपूर्ण वस्तु के रूप में अपना स्थान बनाए रखा, जो मात्रा में 40.98% और कुल डॉलर आय का 67.72% हिस्सा है। इस अवधि के दौरान श्रिम्प के निर्यात में रुपये के मूल्य में 1.01% की वृद्धि हुई।

2022-23 के दौरान प्रशीतित श्रिम्प का कुल निर्यात 7,11,099 मीट्रिक टन आंका गया था। प्रशीतित श्रिम्प के सबसे बड़े बाजार संयुक्त राज्य अमेरिका का आयात (2,75,662 मीट्रिक टन) रहा, इसके बाद चीन (1,45,743 मीट्रिक टन), यूरोपीय संघ (95,377 मीट्रिक टन), दक्षिण पूर्व एशिया (65,466 मीट्रिक टन), जापान (40,975 मीट्रिक टन), और मध्य पूर्व (31,647 मीट्रिक टन) का रहा ।

2022-23 में ब्लैक टाइगर (बीटी) श्रिम्प का निर्यात मात्रा, रुपये का मूल्य और अमरीकी डालर के संदर्भ में क्रमशः 74.06%, 68.64% और 55.41% बढ़ा। बीटी श्रिम्प का निर्यात 31,213 मीट्रिक टन का हुआ जिसकी कीमत 2,564.71 करोड़ रुपये (321.23 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। यूएसडी मूल्य के संदर्भ में 25.38% की हिस्सेदारी के साथ जापान ब्लैक टाइगर श्रिम्प के लिए प्रमुख बाजार बन गया, इसके बाद यूरोपीय संघ (25.12%) और यूएसए (14.90%) का स्थान है। वन्नामेई श्रिम्प निर्यात 2022-23 में 2021-22 की तुलना में 5234.36 मिलियन अमरीकी डालर से 8.11% घटकर 4809.99 मिलियन अमरीकी डालर हो गया।

दूसरी सबसे बड़ी निर्यातित वस्तु प्रशीतित मत्स्य ने 5,503.18 करोड़ रुपये (687.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की कमाई की, जो मात्रा में 21.24% और यूएसडी आय में 8.49% है। इस वर्ष प्रशीतित मत्स्य के निर्यात में मात्रा, रुपये और यूएसडी मूल्य के संदर्भ में क्रमशः 62.65%, 58.51% और 45.73% की वृद्धि हुई है।

अन्य वस्तुओं के तहत, 658.84 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की तीसरी सबसे बड़े निर्यात हिस्से में, अन्य उत्पादों के साथ सुरीमी से 2,013.66 करोड़ रुपये (253.89 मिलियन अमेरिकी डॉलर), प्रशीतित ऑक्टोपस से 725.71 करोड़ रुपये (91.74 मिलियन अमरीकी डालर), सुरीमी एनालॉग उत्पादों से 558.51 करोड़ रुपये (70.35 मिलियन अमरीकी डालर), डिब्बाबंद उत्पादों से 326.48 करोड़ रुपये (41.56 मिलियन अमेरिकी डॉलर), प्रशीतित लॉबस्टर से 215.15 करोड़ रुपये (27 मिलियन अमरीकी डालर) की कमाई हुई ।

चौथी सबसे बड़ी निर्यात वस्तु प्रशीतित स्क्वीड ने 3593.75 करोड़ रुपये (454.61 मिलियन अमरीकी डालर) प्राप्त किए, जो मात्रा में 4.83 प्रतिशत और डॉलर की आय में 5.62 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। प्रशीतित मत्स्य के निर्यात में रुपए के मूल्य में 28.07% और डॉलर के मूल्य में 18.58% की वृद्धि हुई।

सूखे मदों का निर्यात, 2,52,918 मीट्रिक टन आंकी गई, जिसने मात्रा में 243.27% और डॉलर के संदर्भ में 167.70% की जबरदस्त वृद्धि दिखाई और 3,080.92 करोड़ रुपये (384.05 मिलियन अमरीकी डालर) अर्जित किए। इस हिस्से के तहत, सूखी मछली और श्रिम्प चारे ने कुल मिलाकर 307.96 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान दिया और मछली के सूखे जबड़े 24.88 मिलियन अमरीकी डॉलर में बिके।

प्रशीतित कटलफिश का निर्यात, जो 54,919 मीट्रिक टन आंका गया है, जो रुपये के मूल्य में 14.09% और अमरीकी डालर मूल्य में 5.50% की वृद्धि दर्शाता है, और 2353.34 करोड़ रुपये (295.49 मिलियन अमरीकी डॉलर) अर्जित किया है।

प्रशीतित वस्तुओं का निर्यात, जिसे एक आशाजनक क्षेत्र माना जाता है, में भी यूएसडी के संदर्भ में 20.73% और मात्रा के संदर्भ में 12.63% की वृद्धि हुई।

जीवित मद का निर्यात, 7,824 मीट्रिक टन आंका गया, जिसने रुपए में 24.53%, यूएसडी मूल्य में 15.61% की वृद्धि दर्ज की।

प्रशीतित स्क्वीड (7.13%), प्रशीतित कटलफिश (13.33%), प्रशीतित मदों (7.19%) और जीवित मद (3.90%) के यूनिट मूल्यों में वृद्धि देखी गई है।

विदेशी बाजारों के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका 2,632.08 मिलियन अमरीकी डालर के आयात के साथ मूल्य के संदर्भ में भारतीय समुद्री खाद्य का प्रमुख आयातक बना रहा, जो अमरीकी मूल्य के संदर्भ में 32.52% की हिस्सेदारी के लिए जिम्मेदार है। सुस्त मांग के कारण यूएस में निर्यात में यूएसडी के संदर्भ में 21.94% की गिरावट आई। अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में 92.70% की हिस्सेदारी के साथ प्रशीतित श्रिम्प अमेरिका को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु बनी रही। यूएस को किए गए ब्लैक टाइगर श्रिम्प के निर्यात में मात्रा के संदर्भ में 4.06% और रुपये के संदर्भ में 0.26% की वृद्धि हुई।

चीन मात्रा और यूएसडी दोनों के मामले में भारत से दूसरे सबसे बड़े समुद्री खाद्य निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा, जिसमें 1,508.43 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 4,05,547 मीट्रिक टन का आयात किया गया, जो मात्रा में 23.37% और डॉलर के संदर्भ में 18.64% है। चीन के बाजार में निर्यात मात्रा में 51.90%, रुपये के मूल्य में 32.02% और यूएसडी मूल्य में 28.37% की वृद्धि हुई। चीन को निर्यात की जाने वाली प्रमुख मद प्रशीतित श्रिम्प, जिसकी मात्रा में 35.94% और डॉलर मूल्य में 60.92% की हिस्सेदारी थी, जबकि चीन को किए गए कुल निर्यात में से प्रशीतित मत्स्य की मात्रा में 34.88% और यूएसडी मूल्य के रूप में 18.56% का दूसरा सबसे अधिक हिस्सा था। चीन को प्रशीतित श्रिम्प और प्रशीतित मत्स्य ने मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से सकारात्मक वृद्धि दिखाई है।

यूरोपीय संघ 1,263.71 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के 2,07,976 मीट्रिक टन के आयात के साथ तीसरा सबसे बड़ा गंतव्य बना रहा। इस बाजार में प्रशीतित श्रिम्प निर्यात की प्रमुख वस्तु है, जिसमें रुपए और डॉलर के मूल्य में क्रमश: 15.12% और 7.20% की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बाजार में इकाई मूल्य में 3.77% की वृद्धि देखी गई।

दक्षिण पूर्व एशिया 1191.25 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के 4,31,774 मीट्रिक टन के आयात के साथ चौथा सबसे बड़ा बाजार है। प्रशीतित श्रिम्प, निर्यात की प्रमुख मद है, जिसमें मात्रा के हिसाब से 15.16% और यूएसडी मूल्य के हिसाब से 35.17% के साथ 46.08% की वृद्धि है। प्रशीतित मत्स्य , निर्यात की दूसरी प्रमुख वस्तु है, जिसमें मात्रा के हिसाब से 36.02% और यूएसडी मूल्य द्वारा 20.57% के साथ 46.84% की वृद्धि है।

जापान 9.99% की वृद्धि के साथ मात्रा में 6.29% और यूएसडी मूल्य के संदर्भ में 5.99% की हिस्सेदारी के साथ पांचवां सबसे बड़ा आयातक बना रहा। 71.35% की प्रतिशत हिस्सेदारी और यूएसडी मूल्य में 5.26% की वृद्धि के साथ प्रशीतित श्रिम्प जापान को किए गए निर्यात की प्रमुख वस्तु बनी रही।

मात्रा के हिसाब से मध्य पूर्व में निर्यात 77,677 मीट्रिक टन था, जिसका मूल्य 330.68 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। इस बाजार ने मात्रा में 32.95%, रुपये में 17.33% और डॉलर के संदर्भ में 9.09% की वृद्धि दिखाई।

समाप्त